हरिभूमि

शौर्य भूमि

7

जबलपुर, शुक्रवार 14 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

मंडला | अंजनिया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

खबर संक्षेप

युवक से मारपीट, होटल में तोडफ़ोड़, पांच दिन बाद जिला अस्पताल से मिली छुट्टी

मण्डला। हिरदेनगर चौकी के अंतर्गत मुरमखाप निवासी युवक से पड़ोस के ही लोगों ने मारपीट की है। इसके साथ ही उसकी दुकान में तोडफ़ोड़ भी। युवक को अधिक चोट होने के कारण जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसे सोमवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। लेकिन अब तक आरोपी पर मामला कायम नहीं हो सका है। पीड़ित सुरेन्द्र ठाकुर ने पुलिस को बताया है कि 7 जून की शाम को पड़ोस में रहने वाले रमेश ठाकुर एवं उसके लडक़े ने होटल में पहुंचकर तोडफ़ोड की एवं उसके साथ मारपीट की है। घटना के बाद जब वह पुलिस चौकी जा रहा था तब भी उसके दो पहिया वाहन में धक्का दिया। हिरदेनगर में शिकायत के बाद पीड़ित सुरेन्द्र ठाकुर जिला अस्पताल पहुंचा जहां कमर में चोट होने के कारण भर्ती कर उपचार किया गया। सोमवार को अवकाश दिया गया है। पीड़ित ने पुलिस से उचित कार्रवाई की मांग की है।

परामर्शदात्रि समिति की शीघ्र बैठक कराए जाने की मांग

भुआबिछिया। स्वास्थ कर्मचारी संघ ने मांग की हे कि विभागीय परामर्शदात्री वा जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिती की बैठक कराई जाए जिससे कर्मचारियों की लंबित समस्याओं का निराकरण किया जा सके स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष सी ,एम, सिंह ने बताया की लंबे समय से परामर्शदात्री समिति की बैठक नहीं होने से कर्मचारियों की समस्या लंबित है,विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक भी निर्धारित समय पर कराई जाए ,उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की अधिकारियों से मांग की है कि जल्द से जल्द विभागीय परामर्श रात्रि समिति की बैठक कराई जाए जिससे विभाग की कर्मचारियों की समस्याएं निराकृत कराई जा सके।

कक्षा 09वीं एवं 11वीं की पूरक परीक्षाएं 21 जून से

मण्डला। मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड के तत्वावधान में बोर्ड पैटर्न पर आयोजित की जाने वाली कक्षा नवमीं एवं ग्यारहवीं की पूरक परीक्षाएं विकासखंड स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालयों में आयोजित किए जाने संबंधी निर्देश जारी किए जा चुके हैं। कक्षा ग्यारहवीं के समस्त विषयों की पूरक परीक्षा 21 जून को तथा कक्षा नवमीं की विषयवार पूरक परीक्षा दिनांक 22 जून से प्रारंभ होंगी। परीक्षा का समय सुबह 8 से 11 बजे तक निर्धारित किया गया है। प्रायोगिक विषय में पूरक पात्र छात्रों की परीक्षा उसी दिन सैद्धांतिक प्रश्नपत्र सम्पन्न होने के बाद दोपहर में आयोजित की जाएगी। परीक्षाकाल में शासन द्वारा यदि कोई सार्वजनिक अथवा स्थानीय अवकाश घोषित किया जाता है तो भी परीक्षाएं यथावत कार्यक्रमानुसार सम्पन्न होंगी।

योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करते हुए लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित करें

कमिश्नर ने की विभागवार समीक्षा

*** अधिकारियों की बैठक में कमिश्नर के निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिला अधिकारियों की बैठक में कमिश्नर अभय वर्मा ने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं हर पात्र व्यक्ति को लाभान्वित करना विभाग की जिम्मेदारी है। बैठक में कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना, सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री वर्मा ने निर्देशित किया कि जहाँ भी सीमांकन के प्रकरण लम्बित हैं जिला स्तर से टीम बनाकर जल्द निराकृत कराएं। समय पर रिपोर्ट नहीं देने वाले पटवारियों पर कार्यवाही करें। मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत सेम्पल की संख्या बढ़ाएं। अमानक पाए जाने पर कार्यवाही करें। अवैध उत्खनन, भंडारण एवं परिवहन पर सख्ती से रोक लगाएं। संभाग आयुक्त ने किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री जनमन अभियान, योग दिवस आदि के संबंध में भी जानकारी लेते हुए संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिए।

आने वाली पीढ़ियों को जीवन प्रदान करेगा जल गंगा संवर्धन अभियान

श्री वर्मा ने निर्देशित किया कि जल गंगा संवर्धन अभियान में सभी विभाग के अधिकारी, कर्मचारी सहभागिता करें। यह एक ऐसा पवित्र अभियान है जो आने वाली पीढ़ियों को जीवन प्रदान करेगा। अभियान को जन अभियान का स्वरूप प्रदान करते हुए इसे लगातार जारी रखें। नगरीय क्षेत्र में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें। वृक्षारोपण की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि रोपे गए पौधों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करें। प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाने तथा उसकी रक्षा करने के लिए प्रेरित करें।

खराब परिणाम वाले संस्था प्रमुखों पर कार्यवाही करें

शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए संभाग आयुक्त श्री वर्मा ने निर्देशित किया कि कक्षा दसवी और बारहवी की परीक्षाओं में जिन भी स्कूलों के परीक्षाफल खराब थे ऐसे विद्यालयों का चिन्हांकन करते हुए संबंधितों के विरूद्ध कार्यवाही करें। स्कूल चलें हम अभियान को सफल बनाएं। प्रवेश उत्सव में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करें। शाला जाने वाले प्रत्येक बच्चे का नामांकन सुनिश्चित करें। मध्यान्ह भोजन, पुस्तक वितरण आदि गतिविधियों की प्रभावी मॉनिटरिंग करें। उन्होंने छात्रवृत्ति वितरण के कार्य को भी जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।

संभाग आयुक्त अभय वर्मा ने किया मंडला दौरा

संभाग आयुक्त अभय वर्मा ने गुरूवार को मंडला जिले के प्रवास के दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत संचालित गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देशित किया कि जल संरचनाओं के संरक्षण के कार्यों को परिणामदायक बनाएं। जन सहयोग से जल संरचनाओं को पुनर्जीवित करें। इस दौरान कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना, एसडीएम शाहिद खान सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

निवास विकासखंड के ग्राम पिपरिया में तालाब तथा रौंसर में स्टॉप डेम की सफाई तथा मरम्मत कार्य का निरीक्षण करते हुए संभाग आयुक्त श्री वर्मा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल स्त्रोतों के सफाई के कार्यों को पूरी गंभीरता से करें। स्थानीय लोगों का सहयोग प्राप्त करते हुए उन्हें जल स्त्रोतों की सुरक्षा के लिए प्रेरित करें। जल स्त्रोतों की सफाई के दौरान निकलने वाले गाद को किसानों को निःशुल्क प्रदाय करें। श्री वर्मा ने रौंसर में स्टॉप डेम की मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए उन्हें जल संरक्षण तथा वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान संभाग आयुक्त ने वृक्षारोपण की तैयारियों के संबंध में भी जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

बलात्कार के आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

बीती 4 जून को एक युवती द्वारा थाना में रिपोर्ट दर्ज कर मनेरी निवासी भाजपा नेता व जनपद उपाध्यक्ष निवास घनश्याम सूर्यवंशी के ऊपर शादी का झांसा देकर पिछले दो सालों से दैहिक शोषण करने का आरोप लगाया था, इस मामले को जिला प्रशासन ने गंभीरता से लिया और एसपी मंडला ने कहा था कि युवती के द्वारा लगाये गये आरोप के आधार पर आरोपी पर कार्रवाई की जायेगी, और उसी समय से आरोपी फरार बताया जा रहा है। उक्त घटना के बाद से ही क्षेत्रीय आदिवासी समाज काफी आक्रोशित है लेकिन समाज इस बात से अस्वस्त था कि प्रशासन उचित कार्यवाही कर दोषी को दंडित करेगा, लेकिन एक सप्ताह का समय गुजर जाने के बाद भी आरोपी का पुलिस की गिरफ्त में न आने से नाराज सर्व आदिवासी समाज ने दिनाँक 11/06/2024 को विशेष बैठककर निर्णय लेते हुये एक ज्ञापन बनाकर मनेरी पुलिस को सौपकर आरोपी की गिरफ्तारी तीन दिवस के अंदर करने की मांग की है, अगर नियत समय में गिरफ्तारी नहीं होती तो सर्व आदिवासी महासभा द्वारा उग्र आंदोलन करने की चेतावनी भी दी गई है।

शांति समिति की बैठक संपन्न

मण्डला। ईदुज्जुहा पर्व को ध्यान में रखते हुए जिला पंचायत सभाकक्ष में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें सभी सम्प्रदायों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने कहा कि जिले में सभी त्यौहार शांति और सद्भाव के साथ मनाये जाने की परम्परा रही है। सभी सम्प्रदाय के लोग आपस में मिलजुल त्यौहार मनाते हुये जिले की इस गौरवशाली परम्परा को सदैव कायम रखें। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान निकाले जाने वाले जुलूस तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों के लिये सक्षम अधिकारी से विधिवत अनुमति प्राप्त करें। आपत्तिजनक नारे न लगाएं। प्रदाय की अनुमति की शर्तों का पालन कराते हुये जुलूस, रैली को विधिवत सम्पन्न कराना आयोजकों की जिम्मेदारी है। इस दौरान जुलूस, रैली के लिये अनुमत्य मार्ग तथा समयसीमा का पालन करें। डीजे एवं साउण्ड सिस्टम के उपयोग में अनुमत्य समय एवं क्षमता का भी पालन करें। बैठक में अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह ने संबंधित अधिकारियों को सफाई व्यवस्था, पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये।

कान्हा में चार दिवसीय पक्षी सातवाँ सर्वेक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कान्हा टायगर रिजर्व जैव विविधता से परिपूर्ण संरक्षित वनक्षेत्र है। कान्हा टाईगर रिजर्व के अंतर्गत पक्षियों की प्रजातियों की पहचान करने एवं आम जनमानस में वन्यप्राणी संरक्षण की भावना जगाने के लिए सतत रूप से पंक्षी सर्वेक्षण किये जा रहे है। सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रवासी और स्थानीय पक्षियों की गणना करना है, इस तरह के सर्वेक्षण से पक्षियों के बारे में अधिक जानकारी इक_ा करना है, उनके प्राकृतिक आवास, व्यवहार में कोई बदलाव आदि का अध्ययन करना है।

इसी कडी में कान्हा टाईगर रिजर्व, मंडला में पक्षी सर्वेक्षण दिनांक 13 से 16 जून, 2024 तक इन्दौर की संस्था वाईल्ड लाईफ एंड नेचर कंर्जेवेंसी के सहयोग से सातवाँ पक्षी सर्वेक्षण आयोजित किया जा रहा है। जिसके प्रारंभ दिनांक 13.06.2024 को ईकोसेन्टर खटिया में श्री एस.के. सिंह, भा.व.से., क्षेत्र संचालक, कान्हा टायगर रिजर्व के द्वारा सभी प्रतिभागियों को संबोधित किया गया तथा उन्हें पक्षी सर्वेक्षण में ली जाने वाली सावधानियों से अवगत कराया गया। पक्षी सर्वेक्षण में 10 राज्यों के 85 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया है। जिसमें महाराष्ट्र, हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं उतराखंड इत्यादि राज्यों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में उप संचालक पुनीत गोयल (कोर), उप संचालक, सुश्री अमिता, केबी (बफर), पार्क अधीक्षक, सहायक संचालक एवं परिक्षेत्र अधिकारी उपस्थित रहें। प्रतिभागियों को कोर/बफर एवं फेन परिक्षेत्रों के 42 केम्पों का चयन कर पक्षी सर्वेक्षण हेतु भेजा गया। सर्वेक्षण का समापन 16 जून को किया जावेगा। जिसमें समस्त प्रतिभागियों द्वारा देखे गये पक्षियों की जानकारी का संकलन कर रिपोर्ट तैयार की जावेगी। समस्त पक्षी सर्वेक्षण की रिपोर्ट ई बर्ड ऐप के माध्यम से संकलित की जावेगी। सभी प्रतिभागियों द्वारा उत्साह पूर्वक भाग लिया जा रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान का कार्यक्रम इंद्रामाल में आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/अंजनिया

प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर से 16 जून गंगा दशहरा तक चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान जिले के अलावा विकासखंडो में आयोजित किया जा रहे हैं 1 इस अभियान के तहत 13 जून को जनपद पंचायत मोहगाँव के अंतर्गत ग्राम इंद्रा माल में ग्रामीणों के साथ जल संवर्धन हेतु विभिन्न गतिविधियाँ की गई। जिसमें स्कूल के बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया 1 इस दौरान पर्यावरण के माध्यम से जल संवर्धन के बारे में चित्रकला प्रतियोगिता रखी गई 1 जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान सुनिस्चित करने वाले बच्चों को पुरुष्कार वितरण भी किया गया। अंत में ग्राम की महिलाओं के साथ जल संवर्धन हेतु अन्य गतिविधियाँ की गई कार्यक्रम के दौरान ग्राम के सामुदायिक पोषण वाटिका में जल के उपयुक्त उपयोग कर सब्जी उत्पादन के साथ पौधरोपण पर भी ग्रामीणों के साथ विस्तार से चर्चा की गई। उक्त कार्यक्रम में जनपद पंचायत मोहगाँव से अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा श्रीमति संध्या शिवहरे , ग्राम पंचायत मोहगाँव से सरपंच, ग्राम रोजगार सहायक, प्रदान संस्था के सदस्य एवं ग्रामीण उपस्थित रहे 1

भ्रष्टाचार | **डेढ़ महीने गुजर जाने के बाद भी गबन के आरोपियों पर कार्यवाही नहीं।**

आरोपी के साथ बैठकर चाय पर चर्चा

*** निवास विकासखंड शिक्षा कार्यालय का मामला।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

विकास खंड शिक्षा कार्यालय निवास में कूटरचित दस्तावेज व ऑन लाइन फर्जी अकॉउंट में शासकीय राशि ट्रांसफर कर गबन के मामले की जांच 1 मई 2024 से चल रही है, जिसमें जाँचकर्ता दल के प्रमुख रोहित सिंह कौशल ने प्रथमदृष्टया 52 लाख 45 हजार की राशि स्पष्टतः गबन किये जाने की ऑन रिकॉर्ड पुष्टि की थी, इन्हीं के अनुसार 07 मई को अस्सी प्रतिशत जाँच पूर्ण हो गई थी और जल्द ही नामजद आरोपियों पर एफआईआर दर्ज करने एसपी मण्डला को प्रतिवेदन देने की बात कही गई थी, लेकिन डेढ़ महीने गुजर जाने के बाद भी गबन के आरोपियों पर कार्यवाही होना तो छोड़िये आज दिनांक तक कम्प्यूटर ऑपरेटर और न ही अन्य संबंधित कर्मचारियों पर कार्रवाई ही की गई है, जिससे यह प्रतीत हो रहा है कि गबन के आरोपियों को शुरक्षित बचाने के प्रयास में जांच एजेंसी व प्रशासन ही लगा हुआ है।

बीईओ चेम्बर में बैठा मिला गबन का कथित आरोपी

गुरुवार 13/06/2024 को लगभग 3 बजे दैनिक समाचार पत्र हरिभूमि के निवास प्रतिनिधि जब बीईओ कार्यालय पहुंचे तो उन्होंने देखा कि सत्रह शिक्षकों सहित स्वयं व अपनी पत्नी के एकाउंट में कई लाखों की गबन राशि ट्रांसफर करने वाला अस्थाई कम्प्यूटर ऑपरेटर बीईओ चेयर के सामने वाली कुर्सी में बैठकर लेखापाल (लिपिक) से किसी मसले पर गुफ़्तगू कर रहा था,और पदेन बीईओ अन्य कक्ष में कंप्यूटर में कुछ कार्य करवा रहीं थीं। चेहरे से बेख़ौफ़ उक्त कंप्यूटर ऑपरेटर के भाव प्रदर्शित कर रहे थे कि अब सब कुछ सेटलमेंट हो गया है, और जब पूर्व में लगे आरोपों के बाद भी में यहाँ से हट नहीं पाया हूँ तो इस मामले में भी सफल कैसे नहीं हो पाऊंगा।

हैरत इस बात की होना लाज़मी है कि जब प्रशासन एक सामान्य नागरिक से राजस्व की बकाया राशि बसूलने नोटिस पर नोटिस देकर उसका चैन आराम हराम कर देता है तब शासकीय राशि का स्पष्टतः गबन कर बंदरबांट करने वाले आरोपी मामले के उजागर होने के दिन से ही बेखोफ घूम रहे हों और वो घोटाले में शामिल कथित संदिग्ध आरोपियों के साथ कार्यालय में बैठकर चाय पर चर्चा करे तब ऐसे मामले का न्यायहित में समयोचित निर्णय न मिलना (घुले सत्तू से चीनी निकलने) जैसे प्रतीत होता है, फिलहाल उक्त गबन के प्रकरण पर चल रही जांच का प्रतिफल किसके पक्ष और किसके विपक्ष में जायेगा यह आमजन के लिये प्रतीक्षित है।

पेंशन के लिये भटक रही महिला

*** जनसुनवाई में शिकायत लेकर पहुँची।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

ग्राम उदयपुर निवासी महिला शांति धनगर जनसुनवाई में अपनी शिकायत लेकर पहुँची। महिला ने बताया कि उनके पति स्व भगवान प्रसाद धनगर जो की समनापुर प्राथमिक स्वास्थ केंद्र में रेगुलर ड्रेसर पद पर पदस्थ थे उनकी अचानक मृत्यु हो गई। पति की मृत्यु के बाद करीब एक वर्ष से आफिसों के चक्कर काट रही है, लेकिन अभी तक महिला शांति को पेंशन का लाभ नहीं मिल सका है। महिला ने बताया कि उसे पेंशन के साथ जीपीएफ और बेटे को अनुकंपा नियुक्ति भी नहीं मिली है।

बताया गया कि इसकी शिकायत महिला ने सीएम हेल्प लाइन में भी की है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। महिला एक वर्ष से लगातार यहाँ वहाँ भटक रही है। महिला ने

बताया कि आय का कोई साधना नहीं है, परिवार चलाने के लिए पेंशन की जरूरत है, इसलिए जनसुनवाई में अपनी समस्या लेकर पहुंची। महिला ने आवेदन देते हुए बताया की पति की मृत्यु के बाद जिला चिकत्सालय के पेशन शाखा में जो जरूरी दस्तावेज थे मेरे द्वारा जमा कर दिया गए थे और मुझे बोला गया था की 2 माह के अंदर आपकी पेंशन चालू हो जायेगी, लेकिन 11 माह बीतने के बाद भी पेशन शुरू नही की गई। महिला के सामने अब जीवन यापन के लिये पेशन ही एक सहारा है। महिला ने मांग की है कि जल्द ही पेंशन दी जाए। इसके साथ ही लापरवाह अधिकारी, कर्मचारियों पर सख्त कार्यवाही की जाए। जिससे भविष्य में मेरी तरह कोई महिला अपने हक के लिये आफिस के चक्कर न काटे।

// सूचना //

इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि, श्रीमती सुनीता परस्ते पत्नी श्री राजकुमार परस्ते, उम्र लगभग 46, निवासी ग्राम खिन्हा, तहसील निवास, जिला-मंडला (म.प्र.) जो ग्राम खिन्हा में स्थित संपत्ति की असली मालिक हैं। खसरा क्रमांक 134/1 में से, तहसील निवास, जिला- मंडला (म.प्र.) दिनांक 22-09-2004 को विक्रय पत्र पुस्तिका क्रमांक ए1/4298 पृष्ठ क्रमांक 54-59 एवं दस्तावेज क्रमांक 1472द्वारा श्री रूप लाल पुत्र श्री कोपा नेतराम से क्रय किया था। उसे दिनांक 28/05/2024 को निवास से मंडला रोड के बीच मूल विक्रय पत्र खो गया हैं। उक्त संपत्ति के संबंध में उपर्युक्त मूल बिक्री विलेख खोजने वाले किसी भी व्यक्ति को पुरस्कृत किया जाएगा और उसे नीचे दिए गए पते पर सूचित करना आवश्यक है।

अधिवक्ता सावन चौरसिया
सिविल कोर्ट मण्डला (म.प्र.)
मोबाइल नंबर: +919826324975 1

खबर संक्षेप

कामती रोड पर रेलवे की सिलीपार्ट लेकर जा रहा ट्रक पलटा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र से निकले हुये राष्ट्रीय स्तर के मार्ग यानि की गाडरवारा से पिपरिया की ओर जाने वाले इस मुख्य मार्ग की पटरी नही भरे जाने के कारण जहां आये दिन घटनाये घटित होना आम बात बन चुकी है। अक्सर देखा जाता है कि बडे वाहन जब इस मार्ग से गुजरते है और सामने से आने वाले किसी वाहन को जब वह साईड देते है तो उनका वाहन मुख्य मार्ग से नीचे उतर जाने की स्थिति में सड़क के साईड सोल्डर खाली होने के चलते पलटने से नही चूकता है। इस सच्चाई चलते आये दिन लोगों की जान जाते हुये भी देखी जा चुकी है। इस सच्चाई को मीडिया द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी संबंधित विभाग द्वारा किसी तरह का सुधार नही किये जाने का परिणाम है कि इस मार्ग पर इस तरह वाहन पलटने की घटनाये आम बात बन चुकी है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस उस समय देखने मिली जब रेल लाईन में लगने वाली सिली पार्ट लेकर जब एक ट्रक जा रहा था तो साईड सोल्डर के आभाव के चलते ट्रक पलट गया और सिली पार्ट मुख्य मार्ग पर बिखर गये। वह तो अच्छा हुआ कि इस घटना में किसी भी प्रकार की जन हानी होने से तो बच गई। मगर संबंधित विभाग द्वारा इस ओर किसी तरह से ध्यान नही दिये जाने का परिणाम आने वाले बारिश के दौर में भारी पड़ने से नही चूक पायेगा..?

जमीन के सीमांकन को लेकर की मारपीट

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये राधा बल्लभ बार्ड निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दज्र कराते हुये बताया है कि समीपस्थ गरधा रोड पर टावर के पास मेरी जमीन है जिसका नाप हुआ था। यह जमीन मेरी मां प्रभा देवी अग्रवाल के नाम पर है । जब मेरी जमीन का सीमांकन हो रहा था उस समय तेज सिंह बगैर विवाद कर रहे थें जिससे जमीन का सीमांकन नही हो पाया था। जब में अपनी जमीन देखने गया था उसी समय तेजसिंह कौरव, छोटेराजा कौरव, विजय सिह कौरव आ गये और गंदी गंदी गालिया देते हुये बोले की यहां क्यों आया है यहां पर तेरी कोई जमीन नही है और दोबारा यहां पर दिखा तो तुझे जान से खत्म कर देंगे । इतने मैं मैनें अजय सिह कौरव को फोन लगाकर झगडा के संबंध मे बताया तो इन तीनो के रिस्तेदार मुकेश सिह कौरव, वीरेन्द्र कौरव, हनुमत कौरव भी आ गये और सभी ने मिलकर गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

अनेक हितग्राहियों को समय पर आवास योजना का लाभ नहीं मिलने से जिन्दगी को पैदा हो रहा खतरा

गर्मी का मौसम तो किसी तरह लगभग कट ही गया, मगर बारिश का सीजन इन गरीबों को काटना हो जावेगा मुश्किल

कच्चे मकानों की दीवारों को लकड़ी का सहारा देते हुये काट रहे अपने परिवार के साथ मुश्किलों के बीच जिन्दगी...

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जिस सोच के चलते देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गरीबों के हितों को ध्यान में रखते हुये प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरूआत की गई थी यदि यह योजना गफलत बाजी की भेंट चढ़ने से बच जाती तो निश्चित तौर इस योजना के सही हकदार है उनके कच्चे मकानों को सूरत बदलने में देर नही लगती। मगर जिस प्रकार से इस योजना को नगर परिषदों से लेकर ग्राम पंचायतों में क्रियान्वयन किया जा रहा है उसके चलते इस योजना के सही हकदार आज भी अपने कच्चे मकानों की दीवारों को लकड़ी का सहारा देते हुये अपनी जिन्दगी दाव पर लगाकर जिन्दगी काटते हुये देखे जा रहे है तो दूसरी ओर जो साधन संपन्न होने के साथ साथ जिनके पूर्व से पक्के मकान बने हुये है। वह लोग अधिकारियों की मिली भगत के चलते इस योजना का लाभ लेकर अपनी हबेलियाँ तानने से नही चूक रहे है? इस प्रकार की सच्चाई दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा से लेकर क्षेत्र के अनेक गांवों में देखने मिल रही है। जहां पर इस योजना के वास्तविक हकदार माने जाने वाले गरीबों के कच्चे मकान आज भी जर्जर स्थिति में होने के कारण उनमें निवास करने वालों की जिन्दगी दाव पर लगने से नही बच पा रही है। जबकि जिन लोगों को अभी तक यहां पर इस योजना का लाभ मिला है।यदि उनकी जांच कराई जावे तो निश्चित तौर से इस प्रकार के अनेक लोगों की सच्चाई सामने आने से नही चूक पायेगी जिनके पास पहले से ही पक्के मकान होने के साथ साथ उनके परिवारजनों के पास सभी प्रकार के साधन उपलब्ध होने के बाद भी अधिकारियों की कृपा दृष्टि कही जावे या फिर भाई भतीजावाद की देन जिसके चलते उनके मकान हबेली का रूप धारण कर चुके है? इस सच्चाई को देखते हुये अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि क्षेत्र के गरीबों द्वारा गर्मी का मौसम तो किसी तरह लगभग काट लिया गया है मगर अब बारिश का मौसम इस तरह जर्जर स्थिति में पहुंच चुके कच्चे मकानों में काटना निश्चित ही खतरे से खाली नही है। क्योंकि चंद दिनों बाद बारिश को दौर शुरू होने वाला है? केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधनमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना का मुख्य उद्देश्य यह है था कि जिन गरीबों के पास कच्चे मकानों में रहते हुये अपनी व अपने बच्चों की जिन्दगी को खतरा पैदा हो रहा है उन लोगों को प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान बनाकर देना है। जब इस योजना की शुरूआत हुई तो निश्चित तौर से गरीबों के चेहरों में इस तरह की खुशी देखने मिल रही थी जिसका वर्णन करना संभव नही हो सकता है? मगर इस योजना के क्रियन्वयन में जिस तरह की कार्य प्रणाली अपनाई जा रही है उसके चलते जो इस योजना के सही हकदार है वह तो इस योजना को शुरू हुये लगभग चार साल का समय बीते जाने के बाद भी अपने मासूम बच्चों की जिन्दगी को खतरे में डालते हुये कच्चे मकानों में निवास करते हुये देखे जा रहे है। मगर दूसरी ओर जो लोग साधन संपन्न होने के साथ साथ पूर्व से ही पक्के मकान बने हुये थें वह जरूरी इस योजना के हकदार बनते हुये अपने मकानों को हबेलियों का रूप देने से नही चूक रहे है? यदि बीते हुये चार वर्ष के दौरान अभी तक इस योजना का लाभ लेने वालों की सच्चाई की निष्ठा के साथ जांच कराई जावे तो निश्चित तौर से चौकाने वाले परिणाम सामने आने से नही चूक पायेगे? नगर परिषदों से लेकर ग्राम पंचायत में बैठे हुये जनप्रतिनिधियों के साथ साथ प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत से इस तरह के लोगों को आवास योजना में शामिल करते हुये लाभ प्रदान किया गया है। वह इस योजना को लाभ लेने के कोसो दूर तक हकदार नही माने जा सकते है? केन्द्र सरकार द्वारा गरीबों के हितों को ध्यान में रखते हुये शुरू की गई इस जनहितैषी योजना की मलाई खाने के लिये अनेक प्रभावशाली लोगों द्वारा एक ही परिवार के होने के बाद भी अलग अलग नामों से इस योजना का जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की मिलीभगत के चलते लाभ उठाकर जहां अपने पूराने मकानों का निर्माण करने की जगह उन्हे रंग रोगन कराते हुये लाभ लिया गया है तो कुछ लोगों द्वारा एक परिवार से चार चार नाम शामिल कर मकान को हबेली के रूप में बना लिये गये है। जबकि प्रधान मंत्री आवास योजना के नियम के अनुसार स्वीकृत होने वाले आवास का हर हितग्राही के नाम पर अलग अलग निर्माण होना चाहिये था, जिसमें आवास का निर्माण पूर्ण होने के बाद हितग्राही का नाम अंकित होना चाहिये। मगर फर्जी तरीके से लाभ लेने वालों परिवारों द्वारा एक ही परिवार में अलग अलग नाम पर राशि लेकर बनाये गये आवासों की जांच हुई तो निश्चित तौर से अपात्र होने के बाद भी इन्हे पात्र की सूची में सामिल करते हुये लाभ दिलाने वाले अधिकारियों का चेहरा सामने आने से नही बच पायेगा? वही दूसरी ओर इस योजना के कुछ हितग्राही तो इस तरह से भी मिल सकते है जिनको शासन द्वारा आवास निर्माण के नाम पर प्रथम किस्त प्रदान करते हुये उनके पुराने आवासों को तोड़वा दिये गये है। मगर दूसरी या फिर तीसरी किस्तों को प्रदान करने में बरती जाने वाली कोताही के चलते उनके आवास जहां अंधूरे पड़े हुये है। इस स्थिति में अनेक गरीब जहां पन्नी के झोपड़ी बनाते हुये अपना समय काट रहे है तो अनेक लोग किराये के मकानों में रहते हुये योजना का लाभ पाने में घर बैठे कर्जदार बनते चले जा रहे है? प्रशासनिक अधिकारियों की उदासीनता का परिणाम है कि हितग्राहियों को आवास योजना की किस्तों का समय पर भुगतान नही होने के कारण जिन लोगों के आवास अधूरे पड़े हुये है उन्होने गर्मी का सीजन तो किसी भी प्रकार से काट लिया है। मगर अब उन्हें बारिश का सीजन काटना निश्चित तौर से मुश्किल होने से नही चूक पायेगा? क्योंकि पन्नी द्वारा बनाई गई झोपडी में अपना समय काटने वाले गरीब चार माह के लिये खाने पीने का सामन कैसे सुरक्षित रख पायेगे और जब घनघोर बारिश को दौर शुरू होगा तो पन्नी के भरोसे उनकी राते कैसे कट पायेगी?

वनस्पति विज्ञान एवं प्राणी संरक्षण की प्रयोगशाला बना रायपुर का हायर सेकण्ड़री स्कूल

शिक्षण संस्था प्रमुख की निष्ठा के चलते चारों ओर देखने मिल रही हरियाली की चुनरी..

हरिभूमि न्यूज/चीचली। इस बात से इंकार नही किया जाता है कि हर सरकारी कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वाहन तो करते है। मगर जिस जगह वह अपने दायित्वों का निर्वाहन करते है उस कर्मभूमि को यदि अपने घर की तरह स्नेह करने लगे तो निश्चित तौर से सरकारी कार्यालयों की सूरत बदलने में देर नही लगेगी। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई क्षेत्र के चीचली ब्लॉक अंतर्गत ग्राम रायपुर का शासकीय उमा विद्यालय में देखने मिल रही है। बताया जाता है कि इन दिनों वनस्पति विज्ञान एवं प्राणी संरक्षण की प्रयोगशाला के रूप में विकसित हो रहा है। विदित हो कि प्राचार्य गजेन्द्र कौरव ने विगत 17 वर्षों में विद्यालय का कायाकल्प कर संस्था के प्रति समर्पण भाव अर्पित कर जो कार्य किए वे अब फलीभूत हो रहे है। बताया जाता है कि संस्था प्राचार्य द्वारा अनेका नेक विकास कार्य कराकर संस्था को अत्यंत आकर्षक और नैसर्गिक सौंदर्य से परिपूर्ण बना दिया है। संस्था में विभिन्न प्रकार के पेड़ पौधे जिनमे , सिन्दूर, सुपारी, कचनार , बरगद, पीपल, नीम, जामुन, आम, बादाम, शीशम, सप्तपर्णी , बेल, पारिजात, अशोक, बाँस, अमरूद, आँवला, पपीता, नीबू, कटहल ,अनार , बॉटल पाम, गुलमोहर, चंदन ,कदम्ब, तुलसी , मधुकामिनी, शमी, धतूरा, विल्ब, दूर्वा, पारिजात, जासौन, कनेर, मीठी नीम , पर्केरिया, डुरान्टा , थूजा, सूरज मुखी, पिटूनिया,मेरिगोल्ड, हिबिस्कस वेरायटी , अमेरिकन ग्रास इत्यादि विभिन्न प्रकार के छायादार, औषधीय, फलदार, शोभायमान एवं पौराणिक महत्व के विविध सुगंधित एवं औषधीय महत्व के पौधों को रोपित कर एक सुन्दर उपवन तैयार किया गया जो आज अत्यंत सुन्दर उपवन के रूप में अलौकिक छटा बिखेर रहा है तथा शिक्षण संस्था के चारो ओर हरियाली की चुनरी पहनी हुई दिखाई दे रही है। विद्यालय परिसर में बने हुये सुन्दर उद्यान के चलते जहां विविध प्रकार के पक्षियों की प्रजातियाँ निवास करते है इसके साथ ही कभी मोर एवं हिरण तो कभी बन्दर भी विचरण करने आ जाते है जो उद्यान की सुन्दरता में चार चांद लगाने से नही चूकते है। प्रकृति प्रेमी प्राचार्य कौरव द्वारा पक्षियों हेतू उक्त पेड़ों पर अधिकाधिक मात्रा में प्रतिवर्ष जल पात्र टाँगें जाते है तथा मोर ,हिरण, एवं अन्य पक्षियों तथा प्राणियों के लिये परिसर में जल पात्र रखे जाते है । वही दूसरी ओर पक्षियों के भोजन हेतू अनेक प्रकार की सामग्री प्रदान की जाती है। उल्लेखनीय है कि विद्यालय परिसर में पुष्प वाटिका, कबीर , सूर ,तुलसी, इत्यादी विभिन्न प्रकार की वाटिकायें है जिनमे बैठकर विद्यार्थी गुरुकुल की भांति संस्कारित शिक्षा प्राप्त करते है । सम्पूर्ण उद्यान में भूमिगत सिंचाई की स्थायी व्यवस्था है तथा प्रत्येक पौधे एवं प्राणियों की जल एवं भोजन व्यवस्था को अत्यंत निष्ठा एवं जबाबदारी से पूर्ण किया जाता है। विद्यालय में वानस्पतिक एवं जलीय अनुकूलन का प्रभावी एवं प्रायोगिक अध्ययन कराने हेतू एक बड़ा लगभग 5000 लीटर की क्षमता का वाटर फ़ाउंटेन है जिसमे संस्था हेतू जल धारण, जलीय अनुकूलन का अध्यापन ,प्राणी एवं पौधों की जल व्यवस्था एवं वर्किंग रूप में फब्बारे के रूप में सौदर्य का वातावरण बनाये रखने का प्रबंध किया गया है। प्राचार्य कौरव के अनुसार विगत 14 वर्षों की संस्था संचालन की तन, मन, धन से समर्पित जबाब देही तथा प्रतिनित्य किये जाने वाले श्रम दान से संस्था में अनेकानेक विकास कार्य किये जा चुके है जिनमे क्षेत्रीय लगभग 25-30 ग्रामों के पालक गण,समाज सेवी, मोटीवेटर, परामर्श दाता, अन्यान्य सुधीजन, वयोबृद्ध प्रेरणा देने वाले नागरिक गण, धर्म प्रेमी ग्रामीण , कुछ अन्य निजी प्रतिष्ठानों के कुछ संचालक, यू पी एल कंपनी से लेकर नेशनल थर्मल पावर कंपनी के पदाधिकारी, शासकीय लोक सेवक एवं पूर्व विद्यार्थियों को संस्था के विकास कार्य हेतू जोड़ने का अभियान चलाकर प्रेरित कर समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित की गयी तथा जनभागीदारी के आधार पर प्रत्येक वर्ष एक वृहद कार्य योजना बनाकर निरन्तर कार्य किये गये । जिसके सार्थक परिणाम स्वरूप विद्यालय में वर्तमान में, 3 बड़े बड़े टीन शेड, भव्य प्रार्थना सभागार, 2 बड़े बड़े मंच ,दिव्य उद्यान, विविध प्रकार के पेड़ पौधे, खेल मैदान , विभिन्न देवालय परिसर (जिनमे विद्यार्थी बैठकर अध्ययन करते है) तथा वॉटर कूलर, कंप्यूटर, प्रिंटर की प्रतिपूर्ति सुनिश्चित करायी जा चुकी है। आगे भी निरन्तर लक्ष्य बनाकर अनेकानेक कार्यों हेतू रूपरेखा तैयार की जा चुकी है। ज्ञात हो कि विद्यालय में उत्कृष्ट शिक्षण कार्य विधिवत संचालित होता है जिससे प्रतिवर्ष समस्त परीक्षा परिणाम बहुत अच्छे प्राप्त होते है संस्था का इस सत्र का भी परीक्षा परिणाम 98 प्रतिशत रहा तथा जिला में संस्था की छात्रा अपूर्वा कौरव ने 96. 6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिलें की मेरिट सूची में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। संस्था की मुख्य अकादमिक गतिविधियों में कला वाणिज्य,जीव विज्ञान ,गणित संकाय एवं संस्कृत की विभिन्न माध्यमों में शिक्षा के अलावा अत्यंत अनुशासित संगीतमय प्रार्थना सभा, योगा , खेल, बाल सभा, उमंग, जीवन कौशल , कैरियर मार्ग दर्शन,स्काउट गाइड, रेड क्रॉस, विज्ञान , प्रकृति सरंक्षण, स्वैच्छिक स्व प्रेरित श्रम दान,गायन वादन, शैक्षिक भ्रमण , वार्षिकोत्सव, संस्कारित विदाई समारोह इत्यादी सह शैक्षिक गतिविधियाँ निरन्तर संचालित रहती है।

नगर परिषद द्वारा नमामि गंगे,जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत निकाली गई भव्य कलश यात्रा

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। शासन के निर्देशानुसार बीते हुये दिवस नगर सालीचौका के वार्ड क्रमांक 02 में राधा कृष्ण मंदिर से खेरापति माता मंदिर तक भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि इस दौरान नगर के नागरिको को पानी के अपव्यय को रोकने तथा जल बचाव की महत्ता का संदेश दिया गया। आयोजन के दौरान कलश को सजाया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर परिषद अध्यक्ष राकेश सिलावट, मुख्य नगर पालिका अधिकार भवानी प्रसाद शर्मा के आलवा जनप्रतिनिधि राम नारायण बड़कुर, समाजसेवी सुरेंद्र राय द्वारा पूजा अर्चना कर यात्रा का शुभारंभ किया गया,जिसमें नगर परिषद अध्यक्ष राकेश सिलावट व मुख्य नगर पालिका अधिकारी भवानी शर्मा पार्षद किरण मेहरा, हक्के चौधरी, समाजसेवी सुरेंद्र राय सहित इंजीनियर सुश्री मोहिनी कड़पेती, तेजपाल पटेल, सामुदायिक संगठन रामेश्वरी गौड़, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित समूह की महिलाए व सिविक रिसोर्स मैनेजमेंट टीम से वर्षा बर्मन, मनोज वर्मा, सोनू मेहरा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आईस्क्रीम शौकीन बंदर के चलते दुकानदार परेशान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी के चलते जहां आमजन परेशान देखे जा रहे है तो दूसरी वन्य प्राणी भी अब गांव शहर की ओर रूख करने से नही चूक रहे है। क्योंकि जंगल क्षेत्रों में सूख रहे जल स्रोतों के चलते वह प्यास से व्याकुल होकर शहर या फिर गांव में डेरा डालने से नही चूक रहे है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई नगर के शनि मंदिर के पास देखने मिल रही है। बताया जाता है कि यहां पर तालाब में पर्याप्त मात्रा में पानी होने के चलते बंदरों का झुंड आया हुआ है जो आस पास पेड़ो में बैठकर यहां की शोभा तो बढ़ा रहा है। मगर दूसरी ओर यहां पर लगने वाली आईस्क्रीम सहित अन्य ठंडे पेय पदार्थो की दुकानों पर पहुंचकर यह बंदर आइस्क्रीम का आनंद उठाने से नही चूक रहे है। बताया जाता है कि जब यहां पर आईस्क्रीम विक्रय करने वाले अपनी दुकान लेकर पहुंचते है तो उस दुकान पर बंदर पहुंचकर आइस्क्रीम खाने लगते है। इस तरह भीषण गर्मी के दौरान आमजन के बीच बंदर भी ठंडाई का आनंद उठाते देखे जा रहे है। मगर इस सबके बीच इन दुकानों पर पहुंचने वाले ग्राहक दहशत के चलते दुकाने छोड़कर भागने से नही चूक रहे है। इस स्थिति के चलते दुकानदारों को काफी परेशानी का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है।

सांईखेड़ा क्षेत्र के अनेक गांव लोग आज भी कच्चे रास्ते के गुजरने के लिए हो रहे मजबूर

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान करते हुए उनका भला किया जा रहा है, मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि सांईखेड़ा क्षेत्र के अनेक गांव आज भी पक्की सड़कों से नही जुड पाये है? लोगों का कहना है कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना ने भले ही गॉव गॉव सड़को का जाल विछा दिया हो परन्तु विकासखंड सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाले अनेक गॉव आज भी पक्की सड़क की सुविधा से कोशो दूर दिखाइ्र पड़ रहे है, जिसके चलते लोगों को आने जाने के लिए परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, क्षेत्र के अनेक ग्रामों में पक्की सड़क न होने से वर्षा काल में आवागमन दूभर हो जाता है और इन गांवों के लोग आज भी अपने आप को आज से 15 वर्ष पूर्व की स्थिति के समान महसूस करते हुए देखे जा रहे है? यहां के लोगों का कहना है कि इन ग्रामों में शीघ्र ही पक्की सड़क की सुविधा जनप्रतिनिधियों द्वारा मुहैया करायी जाये जिससे लोगों को शिक्षा स्वास्थ्य जैंसी बुनियादी सुविधाओं के लिये शहर की ओर आवागमन सुगम हो सके। बताया जाता है कि इन ग्रामों के लोगों को आज भी अपनी आवश्यकता की बस्तुओं की खरीद फरोख्त के लिये साईंखेड़ा आना पड़ता है, मगर पक्की सड़क न होने से आवागमन में परेशाानी होती है साथ ही साथ इन गांवों में निवास करने वाले बच्चों का भी शिक्षा स्तर गिरता हुआ देखा जा रहा है, वही स्थिति तो गंभीर उस समय देखी जाते है तब गर्भवती महिलाओं को अस्पताल लाने की जरूरत पड़ जाती है, क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पिछले कई सालों से वे सड़क का सपना संजोये बैठे हैं कि उनके ग्राम में प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत सड़क बनेगी परन्तु उनका सपना आज भी पूरा नही हो पाया है, जिसको लेकर ग्रामीणों द्वारा जानकारी देते हुए बताया है कि लगभग एक हजार की आवादी बाले क्षेत्र के ग्राम में पक्की सड़क की सुविधा न होने से विद्याार्थियों के साथ ग्रामीणों को रोड तक आने में दिक्कतों का सामना करते है, ग्रामीण की मांग है कि जल्द ही गॉव को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से जोड़ा जाये।

क्षेत्र में खुलेआम दौड़ रहे ओवर लोडिंग वाहन

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। इस समय क्षेत्र की पुलिस द्वारा आये दिन दो पाहिया वाहनों के खिलाफ अपनी मुहिम चलाते हुए जहां चालानी कार्यवाही करते हुये देखा जाता है। मगर पुलिस की इस मुहिम मात्र छोटे दो पाहिया वाहनों तक ही सीमित रहने के कारण चर्चा का विषय बनी हुई है। जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जिस स्थिति में सड़कों पर आटों सहित अन्य वाहनों में ओवर लोड़गि हो रही है उसे पुलिस द्वारा नजर अदांज किया जाना पुलिस की कार्य प्रणाली पर सबाल खड़े करते हुए जान पड़ रही है? जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय पुलिस द्वारा इस तरह वाहन मालिकों की मनमानी को नजर अंदाज किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि इस समय क्षेत्र के सड़कों पर दौड़ रहे अनेक यात्री वाहनों में ओवर लोडिंग का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। वही ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जावे तो आटों से लेकर मैजिक गाड़ियों में इस स्थिति में ओवर लोडिंग चल रही है जिसके चलते यात्रियों की जान पूर्ण रूप से खतरे में नजर आ रही है तो दूसरी यातायात नियमों की धज्जियाँ उड़ते हुये देखी जा रही है? इस प्रकार से ओवर लोडिंग के चलते ग्रामीण जन इन वाहनों में अपनी जान को हथेली पर रखकर यात्रा करते हुए देखे जाते है। इस प्रकार से सड़कों पर दौड़ रहे जर्जर व ओवर लोडिंग यात्री वाहन मौत के ताबूत बने हुए हैं। मगर इसके बाद भी यातायात विभाग, ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग कोई कार्यवाही करने के लिए तैयार नजर नही आ रहा है। नगर से लेकर ग्रामीण इलाकों में इन दिनों यात्रियों को बड़ी बसों की कमी की वजह से लोगों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और वहीं वाहनों की कमी भी बड़ी समस्या बनी हुई है। इस कारण से सैंकड़ों ग्रामीण रोजाना अपनी जान जोखिम में डालकर आना-जाना करते हैं। यह बात अलग है कि वर्तमान सूर्य की तेज तपन के दौरान लोगों की आवाजाही कम देखने मिल रही है। मगर इसके बाद भी जो वाहन सड़कों पर दौड़ रहे है उनमें खुलेआम यातायात नियमों की अनदेखी होना आम बात बनी हुई है? यदि विगत वर्षो की घटनाओं पर गौर किया जावे तो इस प्रकार की स्थिति में अनेक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के बाद भी उन पर अंकुश लगाते हुए नही देखा जा रहा है जिसके चलते वाहन चालकों के हौसले बुलंद नजर आ रहे है। इस प्रकार से पुलिस की चालानी कार्यवाही बाइकों तक सीमित होना पुलिस की कार्य प्रणाली को संदेह के घेरे में खड़ा करते हुए जान पड़ रही है।

नये शिक्षा सत्र की तैयारियों में जुटी शिक्षण संस्थायें

इस साल प्रवेश उत्सव को यादगार बनाने की कार्य योजना

हरिभूमि न्यूज/चीचली। जनपद पंचायत चीचली के सभा कक्ष में विकास खंड चीचली अंतर्गत सभी आठ जन शिक्षा केंद्रों में संचालित प्राथमिक, माध्यमिक,एकीकृत हाई एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों के प्रधान पाठकों व प्राचार्यों की बैठक सह प्रशिक्षण का आयोजन दो चरणों मे किया गया। बताया जाता है कि इन बैठकों को संबोधित करते हुए विकासखंड शिक्षा अधिकारी नीलम मरावी एवं प्राचार्य ए के रघुवंशी द्वारा नवीन सत्र में शाला प्रवेश उत्सव अंतर्गत तीन दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा को विस्तृत रूप से बताने के साथ इस वर्ष प्रवेश उत्सव कार्यक्रम को यादगार बनाने पर बल दिया गया। शिक्षा अधिकारी द्वारा आने वाले 18 व 19 एवं 20 जून में विद्यालय स्तर पर विभिन्न गतिविधियों को समय सारणी अनुसार संचालित करने, एमपी ट्रास पोर्टल पर छात्रवृत्ति, नवीन प्रवेश अंतर्गत विभिन्न दिशा निर्देश दिए गये। वही विकासखंड स्त्रोत समन्वयक डी के पटेल एवं विकासखंड अकादमिक समन्वयक अरुण दुबे द्वारा शाला प्रवेश उत्सव अंतर्गत विद्यालयों के साथ-सफाई, निः शुल्क पुस्तक वितरण कार्यक्रम, पुस्तक वितरण एप पर प्रविष्टि, छात्र-छात्राओं की मैपिंग, विद्यालयों के संचालन, नामांकन, छात्रों को कक्षा उन्नत संबंधी विस्तृत दिशा निर्देश दिए। एमआईएस कोऑर्डिनेटर दीपक श्रीवास्तव एवं जनशिक्षक अजय नामदेव द्वारा पीएम पोषण आहार अंतर्गत किए जाने वाले आईव्हीआरएस दैनिक एवं मासिक मैसेज संबंधित विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण के विकासखंड के सहायक प्रभारी सत्यम ताम्रकार द्वारा आगामी नवंबर माह में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण के संबंध में प्रारंभिक कार्यवाही, लर्निंग आउटकम, कार्ययोजना पर चर्चा की गई। विकासखंड के नवभारत साक्षरता प्रभारी लेखराम गौतम द्वारा उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत होने वाले सर्वे, आगामी सितंबर माह में असाक्षरों की परीक्षा तथा अभिलेख संधारण की चर्चा की गई। इस बैठक में समस्त जनशिक्षकों सहित शिक्षक शिक्षिकाओं ने अपनी उपस्थिति दी गई। बताया जाता है कि यह प्रशिक्षण जिला शिक्षा अधिकार के मार्गदर्शन एवं जिला परियोजना संबंधित के निर्देशन में संपन्न हुआ।

खबर संक्षेप

16 जून से 15 अगस्त तक वर्षा ऋतु में मत्स्याखेट पर प्रतिबंध

डिंडौरी। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी द्वारा मध्यप्रदेश मत्स्य उद्योग अधिनियम एवं मध्यप्रदेश नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम अंतर्गत 16 जून से 15 अगस्त 2024 तक मत्स्य प्रजनन काल की अवधि होने के कारण इस बंद ऋतु के दौरान मत्स्याखेट, क्रय-विक्रय, विनिमय, परिवहन करना प्रतिबंधित किया गया है। उक्त आदेश का उल्लंघन करने पर उल्लंघनकर्ता को एक वर्ष का कारावास या 5 हजार रुपये तक का जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जाएगा।

जिले की शासकीय आईटीआई में पंजीयन, त्रुटि सुधार व च्वाइस फिलिंग की तिथि 20 जून तक बढ़ी

डिंडौरी। जिले की शासकीय आईटीआई में प्रवेश हेतु ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 01 मई 2024 से प्रारंभ हो चुका हैं, जिसकी अंतिम तिथि 20 जून 2024 है। ऐसे आवेदक जो आईटीआई में प्रवेश हेतु पंजीयन, पंजीयन में त्रुटि सुधार, च्वाइस फिलिंग, पुनः च्वाइस फिलिंग करना चाहते हैं, ऐसे पात्र आवेदक अपने नजदीकी ऑनलाइन सेवा केन्द्रध्एमपीऑनलाइन अथवा स्वयं पोर्टल्ण्केक.उच.हवअ.पद के माध्यम से अथवा नजदीकी शासकीय आईटीआई डिण्डौरी में जाकर संपर्क कर सकते हैं। वर्तमान में सत्र 2024 से जिले के 05 विकासखण्डों की नवीन आईटीआई शासकीय आईटीआई अमरपुर, (सोलर टेक्नीशियन), शासकीय आईटीआई समनापुर, (ड्रेस मेकिंग), शासकीय आईटीआई मेंहदवानी, (कोपा), शासकीय आईटीआई बजाग, (फिटर), शासकीय आईटीआई करंजिया (इलैक्ट्रीशियन) में भी 01-01 ट्रेड में प्रशिक्षण संचालित होगा। आईटीआई डिण्डौरी में वर्तमान में एनसीवीटी अंतर्गत 05 ट्रेड्स इलेक्ट्रिशियन, कोपा, वेल्डर, मैकेनिक डीजल इंजन, टर्नर, फिटर एवं नवीन व्यवसाय फुड प्रोडक्शन (जनरल) संचालित हैं। इच्छुक आवेदक ऑनलाइन प्रवेश हेतु पंजीयन, च्वाइस फिलिंग कर सकते हैं। आईटीआई में प्रवेश हेतु ट्रेड अनुसार न्यूनतम अर्हता 8वीं एवं 10वीं परीक्षा उत्तीर्ण है। रजिस्ट्रेशन हेतु आवेदक के पास ईमेल आईडी एवं मोबाइल नंबर होना अनिवार्य है।

शहपुरा में आयोजित हुआ कम्युनिटी युथ लीडर का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

डिंडौरी। 12 जून 2024 से नवीन उच्च माध्यमिक विद्यालय, शहपुरा में कम्युनिटी युथ लीडर (सी.वाय.एल.) का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को जीवन कौशल विकास और संधारणीयता (सतत विकास) के महत्व को समझाना और उन्हें इस दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित करना है।प्रथम दिवस के प्रशिक्षण में एसडीएम शहपुरा अनुराग सिंह ने प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से जीवन कौशल विकास कार्यक्रम में संधारणीयता-सतत रूप से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उनसे सराहनीय कार्य करने की अपेक्षा की। इससे प्रतिभागियों को यह अनुभव हुआ कि उनके प्रयासों को प्रशासनिक स्तर पर भी मान्यता और प्रोत्साहन मिल रहा है। एसडीएम अनुराग सिंह के संबोधन से प्रतिभागियों को प्रशासनिक दृष्टिकोण से समस्याओं और उनके समाधान के बारे में जानकारी मिली।

अनूपपुर इकाई के मुकेश मिश्रा जिलाध्यक्ष, ज्ञानचंद बने महासचिव

अनूपपुर। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ पूरे प्रदेश में पत्रकारों के हितों के लिये संघर्ष करने वाली पत्रकारों की अग्रणी और मजबूत संगठन है। मध्यप्रदेश में इसके लगभग दस हजार सदस्य हैं। अमरकंटक में मप्र श्रमजीवी पत्रकारों के 2022 सम्मेलन मे लगभग 1700 लोगों की सहभागिता का रिकार्ड है। प्रतिवर्ष इसके लिये सदस्यता अभियान चलाया जाता है। सदस्यता अभियान पूरा होने के बाद प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया के निर्देशन में जिला, संभाग और प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की जाती है।

टीएस से लेकर सीसी तक बंदरबांट में नीचे से ऊपर तक बंदरबांट

बजाग ज.प में भ्रष्टाचार चरम पर: कहीं पहाड़ तो कहीं समतल मैदान में करा रहे पुलिया का निर्माण

घर बैठे निर्माण कार्यों का स्थल चयन, प्राक्कलन तैयार कर रहें उपयंत्री.. आंख बंद कर कर रहे टीएस

डिंडौरी। जिले का सबसे पिछड़ा जनपद पंचायत बजाग क्षेत्र के ग्राम पंचायतों में लंबे समय से निर्माण कार्यो के नाम पर सरकारी राशि का दुरुपयोग किये जाने का सिलसिला जारी है, राजनीतिक रसूखदार ठेकेदारों ने पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज के बुनियादी विचारधारा पर अतिक्रमण करते हुए स्वयं का राज चला रहे हैं, सरकारी योजनाओं पर आश्रित बजाग क्षेत्र आज भी बडी संख्या में निर्माण कार्य घटिया निर्माण और सरकारी पैसों के बंदरबांट की कहानी स्वयं बयां कर रहे हैं। सरपंचों से ग्राम सभा की प्रस्ताव लेकर ठेकेदार तकनीकी अधिकारियों से मनमानी स्थलों में कार्य स्वीकृत करा शासन को पलीता लगा रहे हैं। -

पहाड़ी में पुलिया निर्माण, एसडीओ ने लगाया रोक

बजाग जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत शोभापुर के नान बाई टोला में पहाड़ी के ऊपर लगभग 15 लाख रुपये की लागत से 03 रो की पुलिया का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, ग्रामीणों ने बताया कि यहाँ पर पुलिया निर्माण की कोई आवश्यकता नहीं है, पहाड़ के चोटी में पानी नही रुकता है,ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव के मिलीभगत से ठेकेदार के द्वारा पहाड़ी को खोदकर कर पुलिया निर्माण कार्य कराया जाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। जब उक्त मामले को लेकर एसडीओ से बात की गई तो उनका कहना है कि काम रुकवा दिया है,लेकिन वर्तमान में काम प्रगतिरत हैं। ठेकेदार के द्वारा साइड वाल में बड़े पत्थर और बोल्डर भरकर तेजी से काम करते हुए लीपापोती की जा रही हैं। ग्रामीणों ने बताया कि शोभापुर में अनेको अनुपयोगी स्थलों पर मोटी लागत से कार्य कराते हुए सरकार को पलीता लगाया जा रहा है।

-आँख मूंद कर जारी कर रहे तकनीकि स्वीकृति

रोजगार गारंटी योजना समेत अन्य योजनाओं समेत कोई भी मद से कार्य स्वीकृत करने के पूर्व उपयंत्री द्वारा कार्यस्थल का निरीक्षण करते हुए कार्य स्वीकृत करने की अनुशंसा की जाती हैं, इसके साथ ही कार्य प्रारंभ के पूर्व एसडीओ द्वारा कार्य स्थल का निरीक्षण किये जाने के बाद उपयंत्री द्वारा कार्यों की ले आउट डाली जाती हैं, लेकिन ये तमाम नियम निर्देश डिंडौरी जिले में किताबों और सरकारी आदेशो में सिमटे हुए हैं।

-निर्माण कार्यों के नाम पर टीएस से लेकर सीसी तक कमीशनखोरी

जिले में निर्माण कार्य टीएस किये जाने से लेकर कार्य पूर्ण होने तक हर स्तर पर सरकारी धन का बंदरबांट खुलेआम चल रहा है, उपयंत्री घर बैठे निर्माण कार्यों के प्राक्कलन तैयार कर रहे हैं, कार्य स्वीकृत करने के एवज में एसडीओ मनमानी पैसा लेते हुए तकनीकी स्वीकृति जारी करते हैं, जिससे सरकारी धन का खुलेआम दुरुपयोग हो रहा है, इतना ही काम प्रारंभ होने से लेकर पूर्ण होने तक कभी तकनीकी अधिकारी कार्यस्थलों तक नही जाते, मोटी कमीशन के फेर में घटिया निर्माण कार्यों का शत प्रतिशत मूल्यांकन कर भुगतान किया जा रहा है ,अनुपयुक्त स्थलों में कार्य स्वीकृत कर कम लागत में निर्माण कार्यों को निपटाते हुए मोटी कमाई की जा रही हैं।

इनका कहना है.....

शोभापुर के नान बाई टोला में पहाड़ी पर कराये जा रहे पुलिया निर्माण रोकने के निर्देश दिए हैं, जल्द ही प्रतिवेदन उच्च अधिकारियों को प्रेषित की जाएगी।

प्रियंका मरावी,
एसडीओ जनपद पंचायत बजाग

समनापुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत भाजीटोला का मामला

सरपंच-सचिव द्वारा मनमानी तरीके से आहरण की गई शासकीय राशि की जांच हेतु दो सदस्यीय जांच समिति गठित

समनापुर

डिंडोरी जिले में शासकीय राशि को मनमानी तरीके से आहरण कर गबन करने का मामला थमने का नाम नही ले रहा है। दरअसल समनापुर जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत भाजीटोला के ग्रामीणों ने सरपंच सचिव व रोजगार सहायक पर शासकीय राशि को मनमानी तरीके से आहरण कर बंदरबाट करने का आरोप लगाते हुए जांच की मांग को लेकर जनपद पंचायत सीईओ से शिकायत किए हैं। मामले को लेकर मुख्यकार्यपालन अधिकारी सीपी साकेत के द्वारा जांच करने हेतु दो सदस्यीय जांच टीम गठित की है। सीईओ ने जांच समिति को तीन दिवस के भीतर जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

इन्हे दी गई जांच करने की जिम्मेदारी

ग्रामीणों द्वारा की गई भ्रष्टाचार और अनियमितता की शिकायत की जांच दो सदस्यीय समिति करेगी। जांच समिति में से उपयंत्री अरुण भगत्या और पंचायत समन्वयक अधिकारी सुंदर सिंह कंवर समनापुर शामिल हैं।

ग्रामीणों ने लगाया मनमानी तरीके से राशि आहरण करने का आरोप

ग्रामीणों द्वारा की गई शिकायत की पत्र में उल्लेख है कि सरपंच अनुसुईया बाई परतेती, सरपंच पति मोलेराम परतेती, उप सरपंच राममिलन ठाकुर, सचिव (पूर्व) प्रभा वाटिया, रोजगार सहायक घनश्याम राजपूत के द्वारा शासकीय राशि का गबन किया गया है। आरोप है कि ग्राम पंचायत भाजीटोला में अनेक प्रकार के अनियमितताएं की जा रही है,जिनकी जानकारी मांगने पर सरपंच सचिव के द्वारा नही दी जाती है। बताया गया कि सीसी रोड निर्माण, नाली निर्माण कार्य, शिविर शहपुरा, 15 अगस्त 2023 गांव की सफाई, मजदूरी पेमेन्ट हेतु एक ही व्यक्ति के नाम पर 10,500 रू, 27,000 रु. 20,000 रु. 13,000 रू, 20,900 रू. 17,000 रू का भुगतान ग्राम पंचायत उपसरपंच राममिलन ठाकुर के नाम पर भुगतान किया है।

बगैर टेंट लगाए भुगतान करने का आरोप

आरोप है कि मजदूरी भुगतान गंगोत्री बाई 10,900 रू. 1100 रू किस कारण से बिल लगाकर भुगतान किया गया स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। गंगोत्री बाई के नाम पर टेंट लगाये जाने हेतु 13,000 रू का भुगतान किया गया है। जबकि गंगोत्री बाई के पास टेंट संबंधी कोई भी कार्य नहीं है ना ही उनके द्वारा टेंट लगाये जाने हेतु कोई कार्य किया जाता रहा है एवं ठाकुर सिहं राजपूत को मुख्य मंत्री जनसेवा शिविर कार्यक्रम टेंट एवं क्रय की गई सामग्री के राशि भुगतान एवं महाकालेश्वर पूजा में की गई व्यवस्था की राशि भुगतान 25.500 रू किया गया है,जो कि ठाकुर सिहं के पास टेंट का कार्य नहीं है परन्तु राशि गबन करने के नियत से उक्त राशि निकाला गया है। इसके साथ ही बसंतलाल ग्राम पंचायत भाजीटोला के नाम से मुख्य मंत्री कार्यकम डिण्डौरी भोजन व्यवस्था हेतु 21,500 रू का भुगतान किया गया है।

कुर्सी टेबल के नाम पर निकाली राशि

ग्रामीणों ने बताया कि खनूजा फैशन हाऊस से ऑफिस फॉर्निचर हेतु 10,900 रू की राशि का भुगतान किया गया है, जबकि पंचायत भवन में कोई भी नई फॉर्निचर कुर्सी टेबल नही है।

गुणवत्ता विहीन तरीके से कराया कार्य

ग्राम पंचायत भाजीटोला नवीन कार्य सीसी रोड हेतु 4,30,000 रू का पृथक-पृथक बिल लगाकर मटेरियल मुरूम, मटेरियल परिवाहन, हेतु राशि निकाले गये है,किन्तु सी०सी०रोड का निर्माण बहुत ही गुणवत्ताहीन किया गया और छोटे स्थान पर निर्माण कार्य किया गया जिसकी लागत अधिकतम 50,000 रू से 80,000 रू में होना था,किंतु जिमेदारों की मिलीभगत से आहरण कर गबन किया गया है। ग्राम पंचायत भाजीटोला में नाली निर्माण कार्य कराये जाने हेतु 34,000 रू नर्मदा ट्रांसपोर्ट, 26,000 रू नर्मदा ट्रांसपोर्ट, 40,000 रू तिवारी मटेरियल, 60,000 रू तिवारी मटेरियल 26,000 रू सुशील तिवारी बिल्डिग मटेरियल के नाम पर भुगतान किया गया है, किन्तु उक्त नाली निर्माण पूरे ग्राम में कही भी नहीं कराये जाने का आरोप है ।

इनका कहना है.....

भाजीटोला पंचायत की शासकीय राशि का मनमानी तरीके से आहरण कर बंदरबाट करने की शिकायत प्राप्त हुई है। शिकायत पर दो सदस्यीय जांच टीम गठित की गई है। जांच में जो भी अनियमितताएं होगी उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सीपी साकेत
सीईओ,समनापुर

जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित जिले में किए जा रहे जल संरक्षण के कार्य

डिंडौरी

जल-गंगा-संवर्धन-अभियान के तहत प्रदेश में जल स्त्रोतों तथा नदी, तालाबों, कुआं, बावड़ी तथा अन्य जल स्त्रोतो के जल संरक्षण एवं पुर्नजीवन के लिये विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर 5 जून से 16 जून तक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक बद्री प्रसाद चैहान एवं विकासखंड समन्वयक डॉ, नीलेश्वरी वैश्य के मार्गदर्शन में प्रस्फुटन ग्राम गुरैया में नवांकुर संस्था स्वामी विवेकानंद नवयुवक मंडल शहपुरा ग्राम पंचायत सरपंच ,ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य एवं गांव की महिलाओं एवं पुरुषों के साथ सामूहिक श्रमदान कर सार्वजनिक तालाब को जहरीली झाड़ियां से मुक्त करते हुए साफ सफाई किया गया। इस कार्य में सरपंच अनूप कुशराम संस्था के अध्यक्ष रामलाल रजक, मेंटर गोपाल रैदास, मेट संजय झरिया, समिति अध्यक्ष देव सिंह मरावी, मेंबर श्रीमती भगवती बाई, मेंबर श्रीमती उमाबाई एवं अन्य ग्रामीण जन उपस्थित रहे। इसी क्रम में ग्राम पडरिया माल में भी जल संरक्षण एवं साफ सफाई की गई। जिसमें उपस्थित गांव के नागरिकों का सहयोग रहा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम बछरगांव में मरजादी नदी में स्वच्छता कार्य किया गया। जिसमें विकासखण्ड समन्वयक श्रीमती अंजू दुबे जन अभियान परिषद, नवल कुलस्ते विकासखण्ड समन्वयक समग्र स्वच्छता, राम खिलावन कुशराम सचिव, श्रीमती कमलवती मरावी सरपंच, अमन श्रीवास्तव प्रदान संस्था, नवांकुर संस्था से भानसिंह, मेंटर्स मनीषा द्विवेदी, छात्र छात्राओं और ग्राम वासियों ने सहयोग प्रदान किया।

उक्त अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावित होने वाले नदियाँ और उनमें मिलने वाली सहायक नदियॉ एवं जल संरचनाओं के पुनर्जीवीकरण किया जा रहा है।

ईदुज्जुहा का पर्व शान्ति एवं सौहार्द्रपूर्वक मनाएं

डिंडौरी। कलेक्ट्रेट सभागार में आज आगामी 17 जून को ईदुज्जुहा पर्व के संबंध में शान्ति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। उक्त बैठक में अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती सुनीता सारस, सीईओ जिला पंचायत सुश्री विमलेश सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम, अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक सहित सभी जिला शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में उपस्थित समिति के सदस्यों से पूर्व की भांति इस वर्ष भी परम्परा कायम रखते हुए ईद-उल-अदहा (ईदुज्जुहा) का त्यौहार शांति एवं सौहार्दपूर्ण रूप से मनाने का आग्रह किया गया। कहा गया कि प्रशासन का पूरा प्रयास रहेगा कि ईद-उल-अदहा (ईदुज्जुहा) का त्यौहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जाए।नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पूर्व की भांति त्यौहारों के दौरान ईदगाह नमाज अदा किये जाने वाले स्थानों एवं शहर के मार्गों पर साफ सफाई एवं पानी की समुचित व्यवस्था की जाय तथा सड़को पर घूमने वाले आवारा जानवरों को सड़क से हटा दिया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि ईदगाह एवं मस्जिद में टेन्ट व पानी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए तथा ईद-उल-अदहा (ईदुज्जुहा) के दिन समुदाय के मुहल्लों में सुबह 5 से 7.30 बजे तक नगर पालिका द्वारा पानी की सप्लाई किया जाना सुनिश्चित करने कहा गया।

सीईओ जिला पंचायत सुश्री विमलेश सिंह ने कहा कि ईद-उल-अदहा (ईदुज्जुहा) पर्व के दिन विद्युत कटौती न की जाए यह सुनिश्चित कर लें, यदि किसी अपरिहार्य कारणों से विद्युत कटौती आवश्यक हो तो उसकी सूचना पूर्व से सर्वसाधारण को दी जाये। नमाज अदा किये जाने वाले स्थलों पर नगरपालिका के सहयोग से पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

बैठक में उपस्थित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मरकाम ने समिति के सदस्यों से कहा कि इस पर्व को पूर्व वर्ष की भांति शान्ति एवं सौहार्दपूर्ण मनाए। उन्होंने कहा कि इस पर्व के दिन कोई भी भ्रामक एवं अनैतिक गतिविधियां होती हैं, तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें ताकि समय पर कार्यवाही की जा सके तथा समिति के सदस्यो द्वारा मोहल्ले स्तर में बैठक लेकर जनमानस के बीच में अमन चैन का संदेश पहुंचाकर प्रशासन का सहयोग करें।

7 महीने से जिला जेल ने नहीं किया व्यापारियों के बिलों का भुगतान

बजट हो रहा हर बार लेप्स, जेल विभाग भोपाल को व्यापारियों ने की शिकायत

अनूपपुर।

जोशी ट्रेडर्स, निशित इंटरप्राइजेज, ओम इंटरप्राइजेज, सौरभ इंटरप्राइजेज शहडोल, सौरभ इंटरप्राइजेज तथा शिव मेडिकल स्टोर अनूपपुर ने जेल विभाग भोपाल को डीडीओ जेल अधीक्षक शहडोल द्वारा बजट होने के बावजूद जिला जेल अनूपपुर एवं जिला जेल शहडोल के बिलों का भुगतान न करने के संबंधित शिकायत की है। शिकायत मे लिखा कि हम व्यापारीगण शहडोल, जिला जेल अनूपपुर एवं जिला जेल शहडोल में खाद्य-सब्जी एवं दवाईयां की सप्लाई करते हैं। दिसंबर 2023 से हम लोगों को जेल अनूपपुर एवं जेल शहडोल से भुगतान नही हुआ है जिससे हमें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जेल हेड क्वार्टर भोपाल द्वारा बजट देने के बावजूद जेल अधीक्षक शहडोल डीडीओ द्वारा जान-बूझकर शहडोल एवं अनूपपुर दोनो जिला जेलों का भुगतान न करना सोचनीय प्रश्न है। जेल अधीक्षक शहडोल भास्कर पाण्डेय अपने डीडीओ पावर का एवं पदीय दायित्व का दुरूपयोग कर रहे हैं जिसके कारण जेल अनूपपुर एवं जेल शहडोल के व्यापारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मार्च 2024 में अनूपपुर जेल का बजट वापस हो गया एवं 08.04.2024 को बजट फिर से आया लेकिन लगभग 20 सालों से शहडोल जेल में जमें एकाउन्ट का कार्य संधारित करने वाले बाबू महेश यादव एवं डीडीओ भास्कर पाण्डे ने आज तक ट्रेजरी में बिल प्रस्तुत नहीं किया है। इस सम्बन्ध में जेल हेड क्वार्टर में 18.04.2024 एवं स्मरण पत्र 25.05.2024 को भेजा गया लेकिन हेड क्वार्टर द्वारा भास्कर पाण्डे के विरूद्ध आज तक कोई भी सख्त कदम नही उठाया गया है, सिर्फ औपचारिकता की जा रही है जिससे भास्कर पाण्डे का हौसला बढ़ता जा रहा है। जेल अधीक्षक अनूपपुर एवं डीडीओ जेल अधीक्षक शहडोल एवं लगभग 2 दशकों से एक ही जेल में जमे महेश यादव की आपसी विभागीय विवाद हमारे लिये जी का जंजाल बन गया है। जबकि सब जेल बुढ़ार, जिला जेल उमरिया, सब जेल ब्यौहारी एवं मप्र के समस्त जेलों में अप्रैल माह में भुगतान हो गया है। बजट होने के बावजूद बिलो का भुगतान नही करने का क्या कारण है इसकी कड़ाई से जाँच करवाकर दोषी अधिकारी एवं बाबू के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही करने की कृपा करें जिससे आने वाले समय में कोई भी ऐसी हरकत न कर सके।

युवक को कोबरा ने डसा

अनूपपुर। जिला मुख्यालय से 5 किलोमीटर दूर स्थित हर्री ग्राम में स्कूल के पास गुरुवार की सुबह 7 बजे घरेलू कार्य कर रहे 25 वर्ष युवक को अत्यंत जहरीले कोबरा सांप ने पैर में अंगूठे के पास काट लिया जिसे परिजनों द्वारा उपचार के लिए जिला चिकित्सालय भर्ती कराया गया सर्प होने की सूचना पर जिला मुख्यालय अनूपपुर के सर्पपहरी शशिधर अग्रवाल मौके पर पहुंचकर गौशाला में डोंगी के नीचे बैठे 2 फीट लंबे कोबरा नाग का सफल रेस्क्यू किया। घटना के संबंध में वन्यप्राणी अभिरक्षक एवं सर्पपहरी शशिधर अग्रवाल ने बताया कि गुरुवार की सुबह 7 बजे पड़ोस की गांव हर्री निवासी हीरालाल राठौर के गौशाला में उनका 25 वर्षीय पुत्र महेंद्र राठौर मवेशियों को चारा-पानी दे रहा था तभी डोंगी के नीचे बैठे सांप ने महेंद्र के पैर में अंगूठे के पास काट लिया जिसकी जानकारी अन्य लोगों को देने पर पीड़ति को जिला चिकित्सालय अनूपपुर में उपचार हेतु भर्ती किए जाने पर ड्यूटी डॉक्टर प्रवीण भगत द्वारा उपचार किया गया। सूचना पर श्री अग्रवाल हीरालाल राठौर के घर पहुंच कर गौशाला में रखे डोंगी के नीचे छिप कर बैठे 2 फीट लंबा अत्यंत जहरीला कोबरा नाग का सफलता पूर्वक रेस्क्यू किया गया। जिला अस्पताल में भर्ती सांप काटने से पीड़ति महेंद्र खतरे से बाहर होना बताया गया है।

आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं विद्यालयों में विद्युत एवं पेयजल व्यवस्था की समीक्षा

अनूपपुर। पीएम जन-मन के तहत जिले के 83 ग्रामों तथा जिला खनिज प्रतिष्ठान मद से 31 ग्रामों में विद्युतीकरण का कार्य हो रहा है विभागीय अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि इन सभी ग्रामों के आंगनबाड़ी केन्द्रों में विद्युत व्यवस्थाएं हो जांए। उक्ताशय के निर्देश कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं विद्यालयों में किए जा रहे विद्युत एवं पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री, मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड अनूपपुर के कार्यपालन अभियंता, महिला बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी, जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने निर्देश दिए कि सर्व शिक्षा अभियान के तहत जिला शिक्षा केन्द्र को प्राप्त राशि से विद्यालयों में विद्युत संबंधी कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जांए। बैठक में बताया गया कि जिले के 426 आंगनबाड़ी भवनों में विद्युत व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई हैं तथा 130 आंगनबाड़ी भवनों में पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी है। जिस पर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के जिन 426 आंगनबाड़ी भवनों में विद्युत व्यवस्थाएं पूर्ण हो गई हैं, उनका संबंधित अधिकारी भ्रमण कर सत्यापन करना सुनिश्चित करें। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के 130 आंगनबाड़ी केन्द्रों में पेयजल की व्यवस्था शीघ्र सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने महिला बाल विकास, विद्युत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जनजातीय कार्य विभाग को कार्यों के संबंध में आपसी समन्वय स्थापित कर संबंधित संस्थाओं में कार्यों के पूर्णता संबंधी निर्देश दिए। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास को आंगनबाड़ी केन्द्रों का भ्रमण कर पंखा, लाईट आदि की व्यवस्था दुरूस्त कराने के निर्देश दिए।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

12

जबलपुर, शुक्रवार 14 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

जैव विविधता पुरस्कार हेतु आवेदन 26 तक

नरसिंहपुर। राज्य स्तरीय वार्षिक जैवविविधता पुरस्कार- 2023 के लिए जिले में जैवविविधता संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले इच्छुक आवेदक 26 जून 2024 तक आवेदन कर सकते हैं। उक्त प्रविष्टियां जैवविविधता बोर्ड को 30 जून तक प्रेषित की जानी है। बोर्ड को सीधे प्रविष्टि मान्य नहीं की जावेगी। इस संबंध में दिशा निर्देश बोर्ड की बेवसाइट .उचवितमेज.हवअ.पदध्उचेइइ पर उपलब्ध है। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास नरसिंहपुर ने बताया कि जिले में जैवविविधता संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे इच्छुक व्यक्तिध् अशासकीय संस्थानध् जैवविविधता, स्वामित्व रखने वाले वन, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मछली पालन एवं जल संसाधन विभाग तथा स्थानीय निकायों पर गठित जैवविविधता प्रबंधन समितियां निर्धारित प्रपत्र में आवेदन कर सकते हैं। ये आवेदन कलेक्टर अथवा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत व जनपद पंचायत, वन मंडलाधिकारी व जिले के जैवविविधता से संबद्ध विभाग उपसंचालक के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में जैवविविधता संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों को पहचान दिलाना एवं उन्हें प्रोत्साहित करना है।

कक्षा 9वीं में प्रवेश की अंतिम तिथि कल

नरसिंहपुर। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में शैक्षणिक सत्र 2024- 25 में कक्षा 9 वीं में प्रवेश के लिए राज्य स्तरीय परीक्षा के उपरांत जाति संवर्गवार 240 छात्र- छात्राओं की मेरिट सूची जारी की गई थी। इस मेरिट सूची के अनुसार प्रवेश एक जून से आरंभ हो चुका है, जिसकी अंतिम तिथि अब 15 जून 2024 निर्धारित गई है। इसके उपरांत राज्य से प्राप्त प्रतीक्षा सूची से प्रवेश की प्रक्रिया आरंभ होगी। मेरिट सूची में आये सभी छात्र- छात्रा 15 जून तक प्रवेश लेना सुनिश्चित करें। इसके बाद आवेदन स्वीकार नहीं किये जावेंगे। यह जानकारी प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर ने दी है।

निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर 18 को

नरसिंहपुर। नवनिर्मित 50 बिस्तरीय एकीकृत आयुर्वेद चिकित्सालय डेडवारा झिरना रोड एमपीईबी कार्यालय के पास नरसिंहपुर में बाह्य रोगी- ओपीडी नियमित रूप से प्रारंभ करने के उद्देश्य से निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन 18जून को प्रातः 9 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक किया जायेगा। जिला आयुष अधिकारी नरसिंहपुर ने सभी आमजनों से अपील की है कि वे निरूशुल्क आयुर्वेद शिविर में अधिक से अधिक संख्या में आकर इसका लाभ लें।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम 21 को

नरसिंहपुर। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 10 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को वृहद पैमाने पर आयोजित कर मनाया जायेगा। आयुष मंत्रालय भारत सर द्वारा वर्ष 2024 के लिए 14 जून को 10 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर काउंटडाऊन कार्यक्रम पल प्रतिपल अनुसार प्रातरू 6 बजे से उत्कृष्ट विद्यालय स्टेडियम ग्राउंड नरसिंहपुर में आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम के सफल एवं सुचारू रूप से क्रियान्वयन के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने जिला समिति का गठन कर दायित्व सौंपे हैं। कार्यक्रम में अतिथि स्वागत समिति, समारोह की सम्पूर्ण व्यवस्था एवं मॉनीटरिंग समिति, मंच व्यवस्था समिति, मंच संचालन समिति, योग प्रदर्शन समिति, टेंट एवं साउंड व्यवस्था समिति, यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था समिति, साफ- सफाई एवं स्वच्छ पेयजल एचं चूना लाइन व्यवस्था समिति, चिकित्सा समिति, स्वागत व्यवस्था समिति, मैदान व्यवस्था समिति, बालक व बालिका वर्ग समिति, स्वल्पाहार एवं पेयजल व्यवस्था एवं सहयोग समिति, डाटा फीडिंग समिति, प्रचार- प्रसार समिति व आभार प्रदर्शन के लिए दायित्व सौंपे हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत

संगोष्ठ व नुक्कड़ नाटक का आयोजन

श्रमदान कर दिलाई षपथ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

राज्य शासन ने निर्णय लिया है कि 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस से लेकर 16 जून गंगा दशहरा तक प्रदेश में बड़े पैमाने पर जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जाये। इस दौरान व्यापक स्तर पर पौधरोपण, स्वच्छता अभियान, रैली, शपथ, संगोष्ठी, श्रमदान आदि के कार्यक्रम आयोजित किये जायें। जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत डोभी में स्टाप डेम का निर्माण किया जा रहा है। गोटेगांव विकासखंड के ग्रामों में नुक्कड़ नाटक, महिला संगोष्ठी, ग्राम पंचायत हीरापुर के ग्राम कुरेला में नर्मदा तट की साफ- सफाई व ग्राम पंचायत बंधी में तालाब का गहरीकरण का कार्य किया गया। इसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों- कर्मचारियों और लोगों ने अपना सहयोग प्रदान किया।

ग्राम पंचायत डोभी में स्टाप डेम

राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान जोर- शोर से चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले की जनपद पंचायत चांवरपाठा की ग्राम पंचायत डोभी में पांडा झिरी नदी पर कुल 22 लाख रुपये की लागत से स्टाप डेम का निर्माण किया जा रहा है। स्टाप डेम के निर्माण से नदी में जल स्तर बना रहेगा।

संगोष्ठी, नुक्कड़ नाटक का आयोजन

ग्राम पंचायत लाठगांव में नुक्कड़ नाटक व महिला संगोष्ठी का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण व संवर्धन के बारे में बताया गया। महिला संगोष्ठी के दौरान बताया गया कि जल को कैसे संरक्षित करें और उसका उपयोग जीवन में किस प्रकार करें। इसी तरह ग्राम पंचायत श्रीनगर में भी महिला संगोष्ठी आयोजित की गई। ग्राम पंचायत भामा में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारी व कर्मचारी और ग्रामीणों ने एकजुट होकर तालाब में श्रमदान कर वहां की साफ- सफाई की। ग्राम पंचायत हीरापुर के ग्राम कुरेला में नर्मदा तट की हुई साफ- सफाई की गई।

बंधी में तालाब का हुआ गहरीकरण

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले की ग्राम पंचायत हीरापुर के ग्राम कुरेला में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने नर्मदा नदी के तट पर साफ- सफाई की। इस दौरान वहां के ग्रामवासियों ने भी अपना सहयोग प्रदान किया। इसी तरह जिले की ग्राम पंचायत बंधी में अधिकारियों व कर्मचारियों और ग्रामवासियों ने एक साथ मिलकर तालाब का गहरीकरण किया।

शांति समिति की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

आगामी 17 जून को ईदुज्जुहा त्यौहार को शांति पूर्वक मनाने के संबंध में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में गुरूवार को सम्पन्न हुई। बैठक में अतरिक्त पुलिस अधीक्षक नागेन्द्र कुमार पटेरिया, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, महंत प्रीतमपुरी, मनमोहन बंटी सलूजा, हाजी शब्बीर उस्मानी, पार्षद श्री सौरभ ठाकुर, अब्दुल हकीम खान, मो. हुसैन पठान, किशन गुप्ता, लाल साहब जाट, गुड्डू मालगुजार, मनोहर लाल साहू सहित समिति के अन्य सदस्य और अधिकारी मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि जिले में सुबह के 08.30 बजे समय ईदगाहध् मस्जिदों में नमाज अदा की जायेगी। प्रभारी कलेक्टर ने ईदुज्जुहा त्यौहार को मद्देनजर रखते हुए जिले में विद्युत की सुचारू आपूर्ति, मस्जिद, कर्बला, ईदगाहों के आसपास साफ- सफाई, एम्बुलेंस, दवाईयां सहित आकस्मिक चिकित्सा दल, पेयजल और सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने सभी एसडीएम को अपने संबंधित क्षेत्र में शांति समिति की बैठक लेकर आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

जिले के हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में छात्र- छात्राओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास के उद्देश्य से 13 मई से संचालित समर कैंप का 13 जून को विद्यालय स्तर पर प्रमाण पत्र एवं प्रशस्त्रि पत्र देकर समापन किया गया। जिला मुख्यालय पर जिला शिक्षा अधिकारी के मुख्यातिथ्य में स्थानीय असेंबली हॉल उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में समापन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी नरसिंहपुर अनिल कुमार ब्यौहार ने जीवन मे खेलों के महत्व को प्रतिपादित करते हुये अपनी दिनचर्या में शामिल कर बौद्धिक व शारीरिक विकास का मूलमंत्र बतलाया। उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर प्राचार्य जीएस पटैल ने खेल शिविर में प्रशिक्षकों की भूमिका की तारीफ करते हुये उन्हें साधुवाद प्रेषित किया। अतिथिगणों के स्वागत पश्चात जूडो, बास्केटवाल, योग, क्रिकेट के प्रशिक्षित बच्चों द्वारा संछिप्त प्रदर्शन व खेल के महत्व को प्रतिपादित किया। इस अवसर पर बेडमेंटन, डांस, चित्रकला, बास्केटवाल, क्रिकेट, योग, जुडो के प्रशिक्षकों व प्रतिभागी खिलाड़ियो को प्रमाणपत्र वितरित किये गए। प्रमुख रूप से सेवानिवृत्त खेल प्रशिक्षक सुभाष चंद्र नेमा, रानी अवंति लोधी योग समिति के वरिष्ठ योगाचार्य प्रभात कुमार राय, शालिगराम सेन, श्री वर्मा, जिला योग प्रशिक्षक देवेंद्र कुमार ढिमोले, राष्ट्रीय कोच डॉ अंजिता वर्मा, राष्ट्रीय कोच जुडो अशोक नामदेव, आर एन रावत, श्रीमती दिव्यश्री साहू, कु निशा मिश्रा सहित अन्य जन, खिलाड़ी उपस्थित रहे। कार्यक्रम संचालन शिविर के प्रभारी श्री भोला नाथ पांडेय द्वारा किया गया। जिले के गोटेगांव विकासखण्ड के अंतर्गत पीएम श्री हायर सेकेण्डरी विद्यालय करकबेल में समर कैंप के समापन अवसर पर प्राचार्य रघुवीर सिंह लोधी द्वारा विद्यालय स्तर पर समर कैंप के प्रतिभागी छात्र- छात्राओं को अपने उद्बोधन में शारीरिक एवं मानसिक विकास में खेल किस प्रकार सहायक है के महत्व को बताया। खो- खो, कबड्डी में खीर सागर मेहरा, आकाश मेहरा, विवेक मेहरा, महेश मेहरा, चंद्रभान मेहरा, अभिषेक मेहरा, अनुराग नौरिया, कबड्डी और व्हालीबॉल में बसंत यादव, मोहित मेहरा, सौरभ विश्वकर्मा, आयुष मेहरा, आदर्श राय, गौरव विश्वकर्मा, जिगर महोबिया को एवं कबड्डी, खो- खो में कृष्णा लोधी, निधि बुनकर, हेमलता चैधरी, जिया लोधी, अनामिका लोधी, पवन कौल, स्वाति मेहरा एवं समर कैंप में छात्र- छात्राओं को प्रशिक्षित करने वाले व्यायाम शिक्षक केएस झारिया को मेडल एवं प्रशस्त्रि पत्र प्रदान किये गये।

विश्व पर्यावरण दिवस एवं जल संरक्षण पखवाड़ा का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

मध्यप्रदेश शासन उच्चशिक्षा विभाग भोपाल एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के संयुक्त निर्देशानुसार विश्व पर्यावरण दिवस एवं जल संरक्षण पखवाड़ा कार्यक्रमों की विविध श्रृंखला के अंतर्गत शुभांरभ सत्र का आयोजन एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिंहपुर में डॉ. सुशील कुमार दुबे, प्राध्यापक जबलपुर के मुख्य आतिथ्य एवं प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग की अध्यक्षता में किया गया। डॉ. दुबे ने पर्यावरण एवं जल संरक्षण हेतु युवाओं की भूमिका एवं सामाजिक दृष्टिकोण को निरूपित करते हुए अपने विचार प्रकट करें। डॉ. गर्ग ने पर्यावरण एवं जल संरक्षण की महती भूमिका पर विस्तार से प्रकाष डाला। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. पराग नेमा द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला में सामाजिक जागरूकता को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय में 13 जून से 15 जून 2024 तक जल प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु समाज के सार्थक प्रयास एवं चुनौतियाँ विशय पर निबंध प्रतियोगिता, जलवायु नियंत्रण विशय पर चित्रकला पोस्टर पेंटिग प्रतियोगिता, विश्व पर्यावरण दिवस एवं जल संरक्षण जागरूकता अभियान के उद्देश्य से एन.सी.सी. एवं एन.एस.एस. रैली, जल संरक्षण एवं प्लास्टिक मुक्त राष्ट्र के उद्देश्य से नरसिंह तालाब में सामुदायिक श्रमदान कार्यक्रम, ग्रीन कैम्पस एवं पर्यावरण मुहीम के अंतर्गत महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम तथा सुरक्षित मानव जीवन एवं ऊर्जा की बचत तथा जल प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण विशयों पर परिचर्चा का आयोजन किया जायेगा। इसके पूर्व शुभारंभ सत्र का आयोजन सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्जवलन से किया गया। कार्यक्रम में स्टॉफ मेम्बर्स एवं छात्र-छात्राओं की विषेश उपस्थिती रहीं।

18 से स्कूलों मे मनाया जायेगा प्रवेशोत्सव

तेंदूखेड़ा- राज्य शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल चलें हम अभियान के तहत आगामी 18, 19 एवं 20 जून को कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें। स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत 18 जून को क्षेत्रीय सांसद विधायक किसी एक शाला में सहभागिता करेंगे। शाला स्तर पर आयोजित स्कूल चलें हम अभियान कार्यक्रम में शाला के पूर्व विद्यार्थियों एवं जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जायेगा। ग्राम एवं बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन एवं उनके अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया जाएगा। समस्त पात्र शालाओं में विशेष भोजन का वितरण किया जाएगा। 19 जून को सभी शालाओं में अभिभावकों के साथ शालेय गतिविधियों पर चर्चा, जिसमें प्रमुखतरू कक्षावार विषयखंड, शैक्षणिक कैलेण्डर, अध्ययन अध्यापन प्रक्रिया, अभिभावक शिक्षक बैठकों, सह शैक्षणिक गतिविधियों, शाला में उपलब्ध सुविधाओं आदि की जानकारी प्रदान की जायेगी। राज्य शासन की ओर से अभिभावकों को संबोधित पत्र का वितरण किया जाएगा। कक्षावार उपयोगी स्टेशनरी सामग्री की अभिभावकों को जानकारी प्रदाय की जाएगी एवं निरूशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया जाएगा। इसी तरह 20 जून को जनप्रतिनिधियों, समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध प्रभावशाली, प्रबुद्ध एवं सम्मानित व्यक्तियों को एक प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट के लिए आमंत्रित किया जायेगा। शालाओं में विद्यार्थियों से भेंट के लिए अन्य इच्छुक व्यक्तियों के लिए शाला चयन की ऑनलाईन सुविधा लिंक के द्वारा उपलब्ध रहेगी। इच्छुक व्यक्ति किसी एक शाला का चयन कर स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, संस्कृतिधर्मी, समाजसेवी, उद्योगपति, उन्नत एवं सफल किसानों, व्यवसायी, मीडिया और संचार मित्रों, सैन्य और पुलिस अधिकारी, वरिष्ठ शासकीय अधिकारियों आदि के मध्य उक्त कार्यक्रम का व्यापक प्रचार- प्रसार किया जायेगा।

किसी भी जीव की हत्या दंडनीय अपराध

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पूरे देश में बकरीद त्योहार के दौरान बड़ी संख्या में जानवरों का वध किए जाने की संभावना होती है। बताया गया है कि पशुओं के परिवहन के दौरान पशुओं के मालिक. पशु कल्याण कानूनों का पालन नहीं करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप जानवरों के प्रति क्रूरता होती है और परिवहन के दौरान जानवर मर जाते हैं। पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत किसी भी जानवर के साथ क्रूरता एक दंडनीय अपराध है। ऐसा उल्लंघन भारत के संविधान के अनुच्छेद 48, 48 ए और 51 ए जी की भावना के खिलाफ है। पशु क्रूरता निवारण (वधगृह) नियम, 2001 के नियम 3 के अनुसार, कोई भी व्यक्ति नगरपालिका क्षेत्र के भीतर किसी भी पशु का वध नहीं करेगा, सिवाय कानून के तहत अधिकार प्राप्त संबंधित प्राधिकारी द्वारा मान्यता प्राप्त या लाइसेंस प्राप्त बूचड़खाने के अलावा। ऐसा करने के लिए बाध्य होना। किसी ऐसे जानवर का वध नहीं किया जाएगा जो गर्भवती हो, या जिसकी संतान 3 महीने से कम की हो, या 3 महीने से कम उम्र की हो या जिसने पशु चिकित्सक द्वारा प्रमाणित न किया हो कि वह वध करने के लिए उपयुक्त स्थिति में है। वध का अर्थ है भोजन के उद्देश्य से किसी भी जानवर की हत्या करना, जब तक कि इस तरह के विनाश के साथ अनावश्यक दर्द या पीड़ा न हो। उक्त नियमों में प्रक्रियाएं शामिल हैं। जानवरों के मानवीय वध की प्रक्रियाएँ और ऐसे सभी जानवरों पर किए गए ऑपरेशन उन्हें वध के लिए तैयार करने का आदेश देते हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने निर्देश जारी किया है कि पशु नीचे निर्दिष्ट किसी भी प्रजाति से संबंधित जानवर है रू ओवाइन्स (11) कैप्राइन्स (आईटी) सुइलिन्स (ट) बोवाइन्स और इसमें मुर्गी और मछली शामिल हैं। इसने यह भी निर्देश दिया है कि खाद्य सुरक्षा के तहत ऊपर सूचीबद्ध प्रजातियों के अलावा किसी अन्य प्रजाति के जानवरों का वध करने की अनुमति नहीं है। और मानक अधिनियम. नियम औरनियमों इसका प्रभावी अर्थ यह है कि भोजन के लिए ऊंटों का वध बिल्कुल नहीं किया जा सकता है।जहां भी गोहत्या निषेध अधिनियम लागू है, वहां गोहत्या की जा रही है सकानून का उल्लंघन होगा.भी गायों का भारत के सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के कुछ निर्णय हैं अनुलग्नक में उल्लिखित है। बेईमान लोग अवैध स्लैंगटर आईएम का कारोबार चला रहे हैं सपशु क्रूरता निवारण अधिनियम का उल्लंघन। 1960 और नियम बनाये गयेवहाँ के नीचे. इस तरह की गैरकानूनी प्रथा स्थानीय नगरपालिका अधिनियमों के भी खिलाफ है नियमों और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का भी उल्लंघन सडब्ल्यू.पी.मैडी बनाम यूओएल एवं अन्य। बोर्ड ने एक सर्कुलर नंबर 9-2/2018-19 दिनांक भी जारी किया है 30.05.2022 को सभी राज्य सरकारों केंद्रशासित प्रदेशों को एक अनुरोध के साथ संबोधित किया गया सबूचड़खानों और मांस के लिए विनियामक अनुपालन को लागू और प्रसारित करना। दुकानें उसकी प्रति संलग्न है।यह जानकारी भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड से नियुक्त मानद पशु कल्याण प्रतिनिधि, प्रदेश प्रेस संयोजक भागीरथ तिवारी ने दी ।

प्रताड़ना से तंग आकर की थी आत्महत्या, आरोपियों को कारावास

नरसिंहपुर। सत्र प्रकरण क्रमांक 178/22 में आरोपी पिंकी पति महेन्द्र साहू (पत्नी), कुँवरमन आत्मज धनसिंह साहू (ससुर), सुशीला बाई पति कुँवरमन साहू (सास), टीकाराम आत्मज धनसिंह साहू (चाचा ससुर), राजा साहू (साला), संजय साहू (साला) को जिला एवं चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमति रश्मिना चतुर्वेदी के न्यायालय द्वारा धारा 306ध्34 भादवि में 5-5 वर्ष सश्रम कारावास एवं 1-1 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दंडित किया। संक्षेप में अभियोजन की कहानी इस प्रकार है कि मृतक महेंद्र निवासी ग्राम मोहास, थाना ठेमी का विवाह दिनाँक 9 जून 21 को उमरिया निवासी पिंकी साहू से हुआ था। विवाह के एक माह पश्चात से सभी आरोपियों ने मृतक को दहेज के झूठे केस में फंसाने की, मारकर फिंकवा देने की धमकी तथा परेशान कर प्रताड़ना देना शुरू कर दिया जिससे तंग आकर मृतक महेंद्र ने दिनाँक 12 जून 22 को अपने खेत में लगे बेर के झाड़ में बिजली के तार से फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आरोपियों के विरुद्ध पुलिस थाना ठेमी में अपराध क्रमांक 372/22 पंजीबद्ध हुआ। प्रकरण में अभियोजन की ओर से पैरवी करते हुए अपर लोक अभियोजक श्रीमति सरिता नामदेव ने न्यायालय के समक्ष 14 अभियोजन साक्षियों का परीक्षण करवाकर तर्क प्रस्तुत किये। प्रकरण में आई साक्ष्य और श्रीमति सरिता नामदेव के तर्कों से सहमत होकर उक्त दंडादेश पारित किया।